<u>एमसीएल में राजभाषा पखवाड़ा-2017 का समापन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह के साथ-साथ अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन सम्पन्न</u>

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड, जागृति विहार स्थित ऑडिटोरियम में दिनांक 27.09.2017 को राजभाषा पखवाड़ा-2017 के समापन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह श्री जे.पी.सिंह, निदेशक (तकनीकी/ संचालन) की अध्यक्षता में हर्षोउल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में श्री मुनव्वर खुर्शीद,भा.रे.सु.ब.,मुख्य सतर्कता अधिकारी, एमसीएल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जागृति महिला मण्डल,एमसीएल की अध्यक्षा डॉ.(श्रीमती) निशा ठाकुर तथा उपाध्यक्षागण, श्रीमती परमजीत कौर एवं श्रीमती मधु मिश्रा, हिंदी साहित्यकार प्रोफेसर के.पी. गुप्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष (हिंदी), जी.एम. विश्वविद्यालय, संबलपुर के साथ-साथ डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा,हिंदी प्राध्यापक,हिंदी शिक्षण योजना,भारत सरकार, संबलपुर की उपस्थिति उत्साहवर्द्धक रही।

इनके अतिरिक्त मुख्यालय के समस्त विभागों के विभागाध्यक्षगण,पुरस्कार विजेता क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रमुख, मुख्य राजभाषा अधिकारी, नामित राजभाषा अधिकारी/ सहायकगण त्था एमसीएल परिवार के समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण सपरिवार कार्यक्रम में उपस्थित हुए ।

मंगलदीप प्रज्ज्वलन के साथ समारोह आरंभ हुआ। श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं/ राजभाषा/ मा.सं.वि.) ने अध्यक्ष महोदय एवं आमंत्रित अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया एवं अपने स्वागत भाषण में एमसीएल के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों से राजभाषा नीति के पूर्णत: अनुपालन हेतु हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने की अपील की तथा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बधाई देते हुए अधिक से अधिक कार्यालयीन कार्य हिंदी में करने की सलाह दी ताकि पखवाड़ा मनाने का उद्देश्य पूरा हो सके। इस दौरान गत 14 सितम्बर,2017 से मुख्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

अध्यक्ष महोदय ने अपने व्याख्यान में राजभाषा हिंदी की सरलता,सहज संप्रेषणीयता एवं वैज्ञानिकता की बड़े ही रोचक ढंग से अभिव्यंजना करते हुए कहा कि हिंदी आज पूरे देश में 90 प्रतिशत से अधिक लोगों द्वारा बोली एवं समझी जाती है। आंकड़े स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि आज 160 विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा पढ़ायी जा रही है। हिंदी, विदेशों में हमारी पहचान बन गई हैं। जिन लोगों को हिंदी के प्रति कम लगाव है उन्हें आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं आदरणीया विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज द्वारा विदेशों में हिंदी में धड़ल्ले से दिए गए भाषण को सुनना चाहिए।

आगे उन्होंने नवरात्रि के माहौल में माँ दुर्गा का स्मरण करते हुए एवं भाषा विकास की कामना करते हुए श्लोक वाचन किया--- ***या देवी सर्वभूतेषु भाषा-रूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः.../*** राजभाषा हिंदी का कार्यालयीन कार्यों में प्रयोग कोई आकाश कुसुम नहीं, जो हासिल न हो सके। उन्होनें कवि दुष्यंत की कविता कि...***कौन कहता है आसमां में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारो.....***ने श्रोताओं के मन को छू लिया।

आगे उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा हमारी मातृभाषा है, अत: हिंदी का अपनी बोलचाल की भाषा में, कार्यालयीन कार्यों में ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करनी चाहिए। हिंदी हमारी मातृभाषा है, हर भारतीयों का गौरव है। हमें अपनी मातृभाषा की कदापि अवहेलना नहीं करनी चाहिए, क्योंकि भारतेंदु हरिश्चंद्र ने ठीक ही कहा है कि ***.....'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल'*** ।

इसी प्रकार सम्मानित अतिथि के रूप में पधारे श्री मुनव्वर खुर्शीद,भा.रे.सु.ब.,मुख्य सतर्कता अधिकारी, एमसीएल ने मातृभाषा या मादरी जुवान पर गंभीरतापूर्वक प्रकाश डाला। आगे उन्होंने कहा कि सतत विकास के लिए मातृभाषा सीखना या प्रयोग में लाना अनिवार्य है। मादरे वतन के लिए मादरी जुवान का विकसित होना अति आवश्यक है।

अध्यक्ष एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी महोदय के कर-कमलों से वर्ष 2016-17 के दौरान राजभाषा नीति के बेहतर अनुपालन हेतु क्षेत्रों/इकाइयों एवं मुख्यालय स्थित विभागों को '***एमसीएल राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार***' एवं **प्रमाण पत्र** प्रदान किया गया। इसके साथ ही इन्होंने पखवाड़े के

दौरान आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

राजभाषा विभाग,मुख्यालय की हिंदी पत्रिका ***'एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियां'*** के पंचम अंक का विमोचन अध्यक्ष एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी महोदय के कर-कमलों से किया गया।

इस अवसर पर पुरस्कार वितरण के पश्चात राँची की **'स्वर'** संस्था के संयोजक श्री कुमार बृजेन्द्र एवं उनकी टीम द्वारा अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

ठहाके के साथ कवि सम्मेलन की शुरूआत हुई एवं कार्यक्रम के दौरान ग्वालियर से पधारे हास्य और व्यंग्य के महान कवि श्री प्रदीप चौबे की रचना... ***मेरी शवयात्रा,*** इसी प्रकार राजस्थान के हास्य एवं कटु- व्यंग्यकार श्री संपत सरल की रचना.....***दौड़ सभी रहे हैं पर पहुँच कोई नहीं पा रहे हैं*** .....के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के श्री अनिलकांत बक्शी के हास्य पूर्ण कह-कहे तथा राँची के मंजे हुए गीत/गजलकार श्री कुमार बृजेन्द्र की रचना .....***मेरे नैहर की कांच की चुड़ी,ससुराल के सोने के कंगन से अच्छी है...*** इत्यादि ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्र-मुग्ध कर दिया।

श्री ओम प्रकाश मिश्र,मुख्य प्रबंधक(सिविल),मुख्यालय द्वारा समारोह का सफल संचालन किया गया तथा अंत में सभी अतिथियों/प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

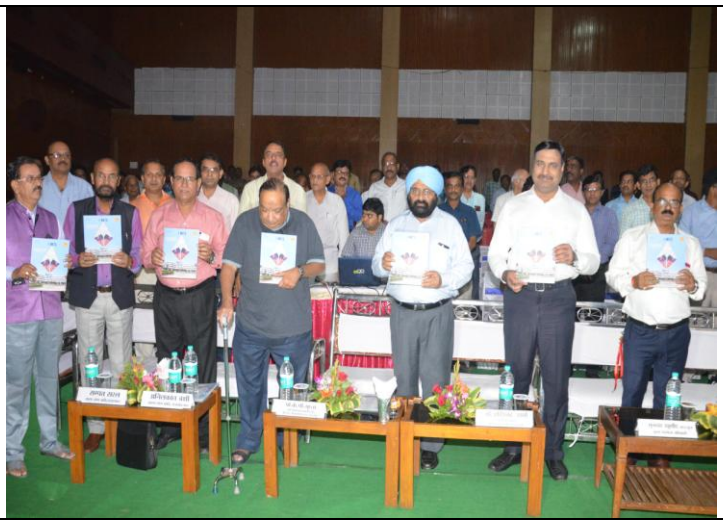

MCL राजभाषा पखवाड़ा 2017
समापन समारोह-सह-पुरस्कार वितरण
एवं

MCL राजभाषा पखवाड़ा 2017
समापन समारोह-सह-पुरस्कार वितरण
एवं

समापन समारो

राजभाषा पखवाड़ा 2017
समापन समारोह-सह-पुरस्कार वितरण
एवं
दिनांक: 27 सितम्बर, 2017